

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 “सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय” पर मनाया जा रहा है। यह कार्यक्रम 03 नवम्बर तक चलेगा। इसी कड़ी में संस्थान के रजिस्ट्रार एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीनियर ग्रेड) श्री पी. के. जैन द्वारा आज नैतिकता और शासन विषय पर व्याख्यान दिया गया।

अपने उद्बोधन में पी के जैन ने कहा कि नैतिकता उन मूल्यों, प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं का एक समूह है जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण निर्णय लेना सुनिश्चित करते हैं। नैतिकता जिम्मेदारी और जवाबदेही के मामले में आधारित हैं। यह ऐसे कार्यों के निर्माण के लिए आधार प्रदान करता है जो यह दर्शाते हैं कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। नैतिकता नैतिक कार्यों को लागू करके मानव आचरण को निर्देशित करने का प्रयास है। नैतिकता शासन में निर्णय लेने में



शासितों सहित हितधारकों को शामिल करना और एकीकृत करना, जिम्मेदारी के कार्यों को शामिल करना, जवाबदेही सुनिश्चित करना, कार्य प्रतिबद्धता, सक्षम सुविधाएं और वातावरण बनाना। पारदर्शिता और ईमानदारी के आधार पर न्याय की भावना की सुरक्षा का विकास करने को प्रतिबद्ध करती है। लोक प्रशासन में ईमानदारी सरकार के प्रभावी कामकाज के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त है, इसलिए अच्छे और नैतिक शासन के लिए अभिन्न अंग है। यह सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए माहौल बनाने के लिए विश्वास सुनिश्चित करता है।



भा०कृ०अनु०प० - भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर- 243122 (यू०पी०)
ICAR-INDIAN VETERINARY RESEARCH INSTITUTE, IZATNAGAR-243122 (U.P.)



सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2024 अभियान
(28 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2024)

विषय सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि
"Culture of Integrity for Nation's Prosperity"

जनहित प्रकटीकरण और मुखबिर संरक्षण संकल्प, 2004 (पीआईडीपीआई)

पीआईडीपीआई क्या है ?	<ul style="list-style-type: none">● पीआईडीपीआई भारत सरकार का एक संकल्प है।● इसके तहत दर्ज सभी शिकायतों में शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है।
पीआईडीपीआई शिकायत कैसे दर्ज की जाती है ?	<ul style="list-style-type: none">● शिकायत सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग को संबोधित होनी चाहिए और लिफाफे के ऊपर "पीआईडीपीआई" लिखा होना चाहिए।● शिकायतकर्ता का नाम और पता लिफाफे पर नहीं बल्कि एक बंद लिफाफे के अंदर रखे गए पत्र में लिखा जाना चाहिए।
शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रहे यह सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश	<ul style="list-style-type: none">● ऐसी शिकायतों जो शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत रूप से संबंधित हैं या अन्य अधिकारियों को संबोधित हैं, उनसे पहचान का खुलासा हो सकता है।● शिकायतों खुली स्थिति में या सार्वजनिक फोरम पर नहीं भेजी जानी चाहिए।● पहचान उजागर करने वाले दस्तावेज शिकायत में संलग्न या उल्लिखित नहीं किए जाने चाहिए। नोट: आरटीआई के तहत प्राप्त दस्तावेज।● पुष्टि के लिए लिफाफे के अंदर पत्र पर नाम और पते का उल्लेख किया जाना चाहिए।● जिन शिकायतों की पुष्टि नहीं होती है उन्हें बंद कर दिया जाता है।● गुमनाम/छद्म नाम पत्रों पर विचार नहीं किया जात है।

अधिक जानकारों के लिए देखें <https://www.cvc.gov.in>
(लिफाफे पर पीआईडीपीआई अंकित करें। शिकायत केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ होनी चाहिए, पीएसयू, पीएसबी और यूटी आदि सहित।)
(Mark the envelope as "PIDPI". Complaint should only be against central government employees, including PSUs, PSBs and UTs etc.)

उन्होंने आगे बताया कि सूचना के अधिकार, प्रभावी नागरिक चार्टर, सार्वजनिक सेवा और सार्वजनिक निर्णय लेने और लेखा में हितधारकों की भागीदारी जैसे साधनों के माध्यम से सत्ता और प्राधिकार में बैठे लोगों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए नागरिकों को सशक्त बनाने से समय के साथ भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और निर्णय लेने की ईमानदारी और गुणवत्ता को बढ़ावा देने में इससे मदद मिली है। सार्वजनिक जीवन में नैतिक मानकों के सिद्धांत हैं: निःस्वार्थता, ईमानदारी, निष्पक्षता, जवाबदेही, खुलापन, ईमानदारी, नेतृत्व। श्री पी के जैन ने कहा कि चौथा पिलर अर्थात् मीडिया नैतिकता और शासन में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक, शैक्षणिक डॉ. एस के मेंदीरता ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण व्याख्यान है तथा इससे हमें सीख लेनी चाहिए तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिये ।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सतर्कता अधिकारी डॉ मनीष महावर द्वारा दिया गया । इस अवसर पर संस्थान के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो राघवेंद्र सिंह, डॉ संजय पांडे, डॉ महेश चन्द्र, डॉ मोहिनी सैनी सहित संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री अश्विनी कुमार, श्री आशीष वर्मा, श्री अग्निवेश तथा प्रशासनिक अधिकारी श्री राजेश कुमार, श्री करुणेश शुक्ला, सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री सरवर अली, तकनीकी अधिकारी श्री मनोज पाठक आदि उपस्थित रहे ।